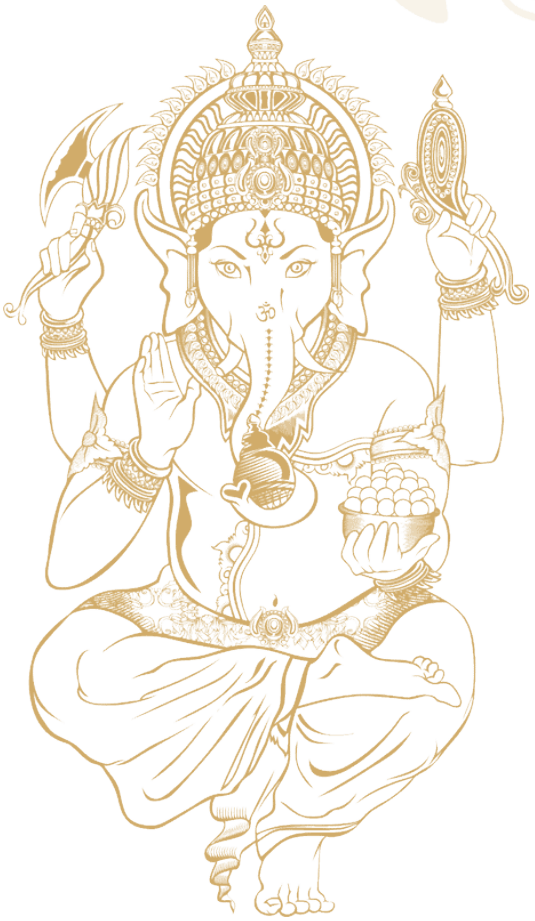

Mr.Mukesh Kumar

27 Oct 1987

05:30 AM

Sirsa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121687003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26-27/10/1987**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:30:00 घंटे**
इष्ट	57:09:20 घटी
स्थान	**Sirsa**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:32:00 उत्तर
रेखांश	75:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:00:16 घंटे
वेलान्तर	00:15:59 घंटे
साम्पातिक काल	07:19:33 घंटे
सूर्योदय	06:38:15 घंटे
सूर्यास्त	17:49:04 घंटे
दिनमान	11:10:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:20:44 तुला
लग्न के अंश	23:40:31 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	अतिगण्ड
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	23:40:31	313:38:13	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	---
सूर्य			तुला	09:20:44	00:59:52	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			धनु	03:38:47	14:04:14	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल			कन्या	18:01:53	00:38:47	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	तुला	12:21:31	01:15:37	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	29:51:46	00:07:53	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	स्वराशि
शुक्र			तुला	26:24:08	01:14:43	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	स्वराशि
शनि			वृश्चि	24:22:50	00:05:41	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	08:17:59	00:03:38	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	08:17:59	00:03:38	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	00:17:34	00:02:36	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
नेप			धनु	11:58:15	00:01:16	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	15:56:20	00:02:25	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	24:40:31	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:11

लग्न-चलित

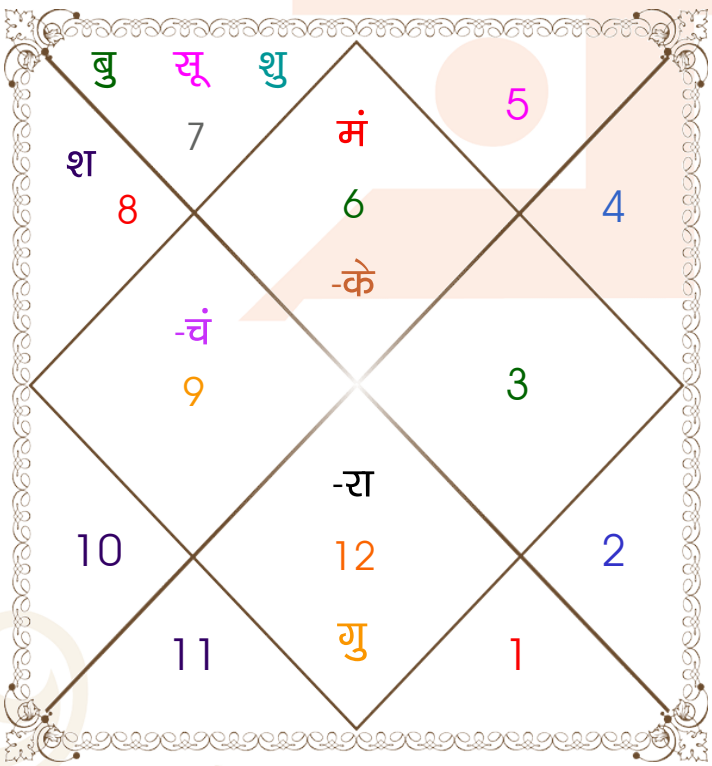

चन्द्र कुंडली

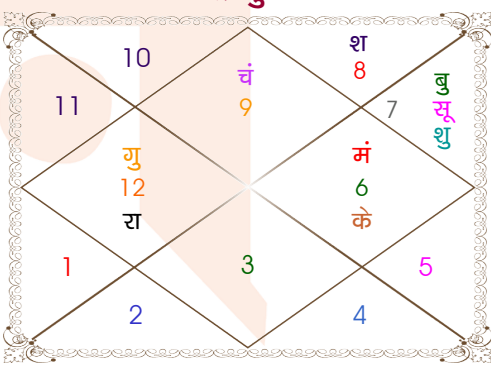

नवमांश कुंडली

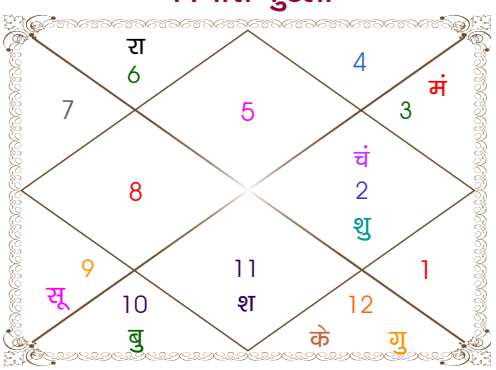

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 1 मास 0 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/10/1987		26/11/1992		26/11/2012		27/11/2018		26/11/2028	
26/11/1992		26/11/2012		27/11/2018		26/11/2028		27/11/2035	
	00/00/0000	शुक्र	28/03/1996	सूर्य	16/03/2013	चंद्र	27/09/2019	मंगल	24/04/2029
	27/10/1987	सूर्य	28/03/1997	चंद्र	14/09/2013	मंगल	27/04/2020	राहु	13/05/2030
सूर्य	31/10/1987	चंद्र	27/11/1998	मंगल	20/01/2014	राहु	27/10/2021	गुरु	19/04/2031
चंद्र	31/05/1988	मंगल	27/01/2000	राहु	15/12/2014	गुरु	26/02/2023	शनि	28/05/2032
मंगल	27/10/1988	राहु	27/01/2003	गुरु	03/10/2015	शनि	26/09/2024	बुध	25/05/2033
राहु	14/11/1989	गुरु	27/09/2005	शनि	14/09/2016	बुध	26/02/2026	केतु	21/10/2033
गुरु	21/10/1990	शनि	26/11/2008	बुध	22/07/2017	केतु	27/09/2026	शुक्र	21/12/2034
शनि	30/11/1991	बुध	27/09/2011	केतु	27/11/2017	शुक्र	28/05/2028	सूर्य	28/04/2035
बुध	26/11/1992	केतु	26/11/2012	शुक्र	27/11/2018	सूर्य	26/11/2028	चंद्र	27/11/2035

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/11/2035		27/11/2053		27/11/2069		26/11/2088		28/11/2105	
27/11/2053		27/11/2069		26/11/2088		28/11/2105		00/00/0000	
राहु	09/08/2038	गुरु	15/01/2056	शनि	29/11/2072	बुध	25/04/2091	केतु	26/04/2106
गुरु	02/01/2041	शनि	28/07/2058	बुध	09/08/2075	केतु	21/04/2092	शुक्र	26/06/2107
शनि	09/11/2043	बुध	02/11/2060	केतु	17/09/2076	शुक्र	20/02/2095	सूर्य	28/10/2107
बुध	28/05/2046	केतु	09/10/2061	शुक्र	18/11/2079	सूर्य	27/12/2095		00/00/0000
केतु	16/06/2047	शुक्र	09/06/2064	सूर्य	30/10/2080	चंद्र	28/05/2097		00/00/0000
शुक्र	15/06/2050	सूर्य	28/03/2065	चंद्र	31/05/2082	मंगल	25/05/2098		00/00/0000
सूर्य	10/05/2051	चंद्र	28/07/2066	मंगल	10/07/2083	राहु	13/12/2100		00/00/0000
चंद्र	08/11/2052	मंगल	04/07/2067	राहु	16/05/2086	गुरु	20/03/2103		00/00/0000
मंगल	27/11/2053	राहु	27/11/2069	गुरु	26/11/2088	शनि	28/11/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 0 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगे। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगे।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगे। आप व्यवहार कुशल व्यक्ति है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगे। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहते हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करते हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगे। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करते हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं। आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखते हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगे जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उन पर सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगे।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगे। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाले चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगे। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगे। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पत्नी एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेष युक्त व्यस्तम कार्य सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें।

आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मुत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकते है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।